

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC-104

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबंधन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही भाषा हो।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×10=50

(क) रागद्वेषवियुक्तैस्तु विषयानिन्द्रियैश्चरन्।

आत्मवश्यैर्विधेयात्मा प्रसादमधिगच्छति ॥

(ख) क्लैव्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्वय्युपपद्यते।

क्षुद्रं दृश्यदौर्बल्यं त्यक्तवोत्तिष्ठ परन्तपः ॥

P. T. O.

- (ग) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थमनोगतान्।
आत्मन्ये वात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ॥
- (घ) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदा।
आगमापयिनोऽनित्यास्तास्तितिक्षस्व भारत ॥
- (ङ) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः ॥
- (च) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाभ्यसि ॥
- (छ) तत्रकाग्रं मनः कृत्वा यतचित्तेन्द्रियक्रियः।
उपविश्यासने युञ्ज्याद्योगमात्मविशुद्धये ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए : 3×10=30

- (i) सन्तुलित जीवन से क्या लाभ है ? निरूपण कीजिए।
- (ii) काम को किस प्रकार से नियंत्रित किया जा सकता है ? उसके क्या-क्या लाभ हैं ? स्पष्ट कीजिए।
- (iii) मन पर नियंत्रण के उपायों को विस्तारपूर्वक बताइए।

- (iv) गीता के अनुसार मन सहित इन्द्रियनिग्रह की आवश्यकता क्यों है ? इसका विवेचन कीजिए।
- (v) गीता में वर्णित आर्थिक महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।
- (vi) शारीरिक और मानसिक अनुशासन को गीता में वर्णित उद्धरणों के माध्यम से समझाइए।
- (vii) गीता में दिए गए आत्म-प्रबन्धन पर विस्तारपूर्वक लिखिए।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए :

4×5=20

- (i) नैतिक गुणों का विकास
- (ii) कर्मयोग की प्रशंसा
- (iii) गीता की मुख्य शिक्षाएँ
- (iv) आहार नियंत्रण
- (v) सन्तुलित जीवन
- (vi) पुरुषार्थ चतुष्टय